ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -25 | मार्च - I - 2023 | अंक - 23 | माउण्ट आबू | Rs.-12

कार्यक्रम • ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में 'मूल्यनिष्ठ समाज की नींव महिलाएं' विषय पर विशाल आयोजन

राष्ट्रपति ने किया 'अखिल भारतीय सशक्त परिवार' अभियान का शुभारम्भ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ मंचासीन हैं हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. मोहिनी दीदी व ब्र.कु. जयंती दीदी, ब्र.कु. चक्रधारी दीदी, ब्र.कु. शिवानी दीदी व ब्र.कु. बृजमोहन भाई।

ओ.आर.सी.-गुरुग्राम। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत द्वारा जी20 फोरम का उपयोग महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और विश्व समुदाय में महिलाओं की समावेशी भूमिका को रेखांकित करने में किया जायेगा। भारत इस समय जी20 समूह की अध्यक्षता कर रहा है। जी20 के एजेंडा में वुमेन लेड डेवलपमेंट पर प्राथमिकता बनाये रखना शामिल है। यह बात महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने विश्व विख्यात आध्यात्मिक संस्थान ब्रह्माकुमारीज़ के गुरुग्राम स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में 'मूल्यनिष्ठ समाज की नींव महिलाएं' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहीं।

राष्ट्रपति ने दीप प्रज्वलित कर अभियान का शुभारंम किया। इस मौके पर उन्होंने संस्थान का पीले और लाल रंग की शिव पताका फहराकर 'अखिल भारतीय सशक्त परिवार' जागरुकता अभियान की शुरुआत की और पताका ब्रह्माकुमारी बहनों के हाथ में थमा दी।

राष्ट्रपति ने संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू से पहुंची महिला विंग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. डॉ. सविता दीदी और ब्र.कु. शारदा दीदी को कलश सौंपा। साथ ही शिव ध्वज फहराकर अभिवादन किया।

उन्होंने कहा कि "आज मुझे एम्पॉवरिंग द फैमिली" अभियान का शुभारम्भ करते हुए प्रसन्नता हो रही है। एक माँ का स्वभाव हमेशा समावेशी यानि इन्क्लूसिव होना चाहिए। प्रकृति को भी मदर नेचर कहा जाता है। भारतीय परंपरा में परिवार को सबसे ज़्यादा महत्व दिया जाता है। परिवार ही आदर्श जीवन का आधार है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा...

सुख, शांति, आनंद, प्रेम, पवित्रता के बिना सब व्यर्थ

मातायें बच्चों को एरिया कॉन्शियस न बनायें

धनोपार्जन के साथ अच्छा इंसान बनने को प्राथमिकता दें

ब्रह्माकुमारीज़ को मैं अपना घर समझती हूँ

राष्ट्रपति को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. जयंती दीदी व ब्र.कु. बृजमोहन भाई।

दीप प्रज्वलित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू तथा अन्य अतिथि व ब्रह्माकुमारी बहनें।

आदर्श इंसान बनाना समय की मांग

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अगर हर परिवार एक आदर्श परिवार बन जाये तो समाज का स्वरूप अपने आप बदल जायेगा। अच्छा इंसान बनना आज समय की ज़रूरत है। कितनी भी भौतिक सुख-सुविधाएं, पैसा कमा लें लेकिन यदि जीवन में सुख-शांति, आनंद, प्रेम और पवित्रता नहीं तो सब व्यर्थ है।

माँ ही बच्चों को दे सकती है दिव्यता

राष्ट्रपति ने कहा कि बच्चों की पहली शिक्षक माँ होती है। इन दिनों माताएं अपने बच्चों को एक आदर्श जीवन के बारे में नहीं बताती हैं। यह बताना प्राथमिकता है। आज माताएं बच्चों को बचपन से ही एरिया कॉन्शियस बनाती हैं। वो चाहती हैं कि बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर या अधिकारी बने। लेकिन माताओं को चाहिए कि वो अपने बच्चों को सबसे पहले एक अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा दे। बच्चों का डॉक्टर, इंजीनियर बनना अच्छी बात है लेकिन वो समाज की, देश की सेवा करने के लिए पेशेवर बनें। धनोपार्जन को ही प्राथमिकता न बनने दें।

उन्होंने कहा कि यह सब बच्चों को आखिर कौन सिखाएगा। माता ही सिखाएगी। माँ गुरू भी है, माँ ही सिखा सकती है कि जीवन में बड़ा होना अच्छा है लेकिन अच्छा होना उससे भी बड़ी बात है। बच्चों का दिमाग कच्ची मिट्टी की तरह और आकारहीन होता है। माँ चाहे तो बच्चों को दिव्यता दे सकती है। उनके प्रयासों से परिवार एक आदर्श परिवार हो सकता है। तभी समाज को मूल्य आधारित बनाया जा सकता है।

आर्थिक विकास के साथ आनंद और शांति के लिए आध्यात्मिक विकास ज़रूरी

मुर्मू ने कहा कि आज प्रतिस्पर्धा का युग है। आज इंसान धन, शक्ति, प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा के पीछे भाग रहा है। आर्थिक रूप से मज़बूत होने में कोई बुराई नहीं है लेकिन केवल पैसे के लिए जीने से यह जीवन व्यर्थ हो जाता है। सिर्फ धन के लिए भागते रहना निरर्थक है। इन्द्रियों का सुख और आंतरिक आनंद दोनों समान नहीं होते। आर्थिक प्रगति और भौतिक सम्पन्नता हमें सुख दे सकते हैं लेकिन आनंद और शांति नहीं दे सकते। आध्यात्मिक जीवन से दिव्य आनंद के द्वार खुलते हैं और हम एक सुंदर अनुभूति के साथ जीवन जीना शुरु कर देते हैं।

- शेष पेज 4 पर...

महिला प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. डॉ. सविता दीदी को अभियान का कलश देकर शुभारम्भ करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू। साथ हैं ब्र.कु. रानी दीदी तथा ब्र.कु. शारदा दीदी।